आभार प्रदर्शन

आभार प्रदर्शन

अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर के माननीय कुलाधिपति महोदय श्री. **टी. के. शंमुगानन्दम** जी, बी. ए. बी. एल, एवं कुलपति महोदया कर्नल डॉ. श्रीमती **सरोजा प्रभाकरन** जी; एम. ए., डिप. एड (मद्रास), पी. एच. डी (मदर तेरेसा) के प्रति मैं सर्वप्रथम अपना आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने मुझे इस विश्वविद्यालय में एम. फिल. हिन्दी कोर्स में प्रवेश दिलाया एवं इस शोध कार्य को करने का सुअवसर भी प्रदान किया। हमारी कुलसचिव महोदया डॉ. श्रीमती **गौरी रामकृष्णन** जी; एम. एस. सी (मद्रास) एम. फिल. पी. एच. डी (अविनाशिलिंगम) के प्रति भी मैं आभारी हूँ।

मैं हमारी संकायाध्यक्षा डॉ. श्रीमती **डी. ललिता** जी; एम. ए. डिप. एड., एम. फिल. पी. एच. डी (भारतीयार) को भी अपना धन्यवाद देती हूँ। जिन्होंने प्रोत्साहन दिया। मैं अपनी विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्षा डॉ. श्रीमती **शोभना कोक्काड़न** जी; एम. ए. (गांधी जी), एम. फिल (मद्रास) पी. एच. डी. (कोच्चिन) को अपना हार्दिक धन्यवाद देती हूँ जिनकी प्ररेणा मुझे अंत तक मिलती रही और प्रोत्साहन भी देती रही।

मेरा शोध कार्य डॉ. श्रीमती **शशिप्रभा जैन** जी रीडर; एम. ए. (मद्रास) पी. एच. डी. (राँची), पी. जी. डी. टी (एस. बी. ऐ. ओ. ए) के सुयोग्य निर्देशन में हुआ हैं। मेरे शोध कार्य को पूरा करने में उन्होंने मुझे आदि से अन्त तक प्रेरणा दी एवं प्रोत्साहन देती रही। इस शोध कार्य को सफलता से आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने अपना बहुमूल्य समय प्रदान किया और समय–समय पर उचित सुझाव एवं मूल्यवान राय प्रदान करती रही। श्रृद्धे गुरूवार के प्रति

मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ। उन्हीं की प्रेरणा और मार्गदर्शन ने मुझे न केवल इस शोध कार्य को पूरा करने के लिए प्रोसाहन दिया बल्कि उन्होंने मुझे जीवन के उन मूल तत्वों को सीखने एवं समझने का भी सुअवसर प्रदान किया।

अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय पुस्तकालय के अधिकारी गणों के प्रति मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने शोध प्रबन्ध के लेखन के लिए उपयुक्त संदर्भ सामग्री प्राप्त कराने में सहयोग प्रदान किया।

केन्द्रीय पुस्तकालय – कोयम्बत्तूर के पुस्तकालयाध्यक्षा और कनिमारा पब्लिक पुस्तकालय – मद्रास के पुस्तकालयाध्यक्षा और मद्रास के दक्षिण हिन्दी प्रचार सभा के पुस्तकालयाध्यक्षा एवं कर्मचारियों को भी मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने शोध प्रबन्ध के लेखन के लिए उपयुक्त संदर्भ सामग्री प्राप्त कराने में मुझे पूरा सहयोग प्रदान किया।

इसके साथ मैं अपने विभाग की प्राध्यापिका **डॉ.जी. शांति जी** और मेरी सहेली कुमारी **वी. जेलसिया** को भी धन्यवाद प्रकट करती हूँ जिसने मुझे सामग्री संकलन में सहयोग प्रदान किया और मैं अपनी अन्य सहेलियों के प्रति भी आभारी हूँ।

मैं 'दि हिन्दु' समाचार–पत्र कार्यालय के संवाददाता श्री. वी एस पलनिअप्पन जी के प्रति आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य में विविध सार्थक सुझाव दिए।

मैं श्री गौतुम सुमन जी, जो 'मंथन पत्रिका' के संपादक हैं, उनके प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने बेझिझक अपना समय और बहुमूल्य राय दी।

मैं श्री भवेश कुमार गुप्ता जी, जो 'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन' के हिन्दी अनुवादक हैं, उनके प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने अपनी बहुमूल्य राय दी।

अंत में मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध प्रबन्ध लेखन में पूरा मानसिक सहयोग दिया।